an>

Title: Need to implement Kumbha Lift Project in Jhunjhunu Parliamentary Constituency of Rajasthan to provide clean water.

श्रीमती संतोष अहलावत (झुंझुनू): माननीय सभापति जी, आपने मुझे पेयजल जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर अपनी बात कहने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देती हूं। मनुष्य कुछ समय तक भोजन के बिना रह सकता है, मगर पेयजल के बिना कुछ ही क्षण बिताना भी उसके लिए नामुमकिन हो जाता है। कहा भी जाता है-

"अति अगाध अति ऊथरो, नदी कूप सरबाय

जो जाको सागर भयो ताकि प्यास हो जाए।"

महोदय, पेयजल के बहुत सारे स्रोत हैं, कुछ गहरे, कुछ उथले, कुछ मीठे, कुछ खारे होते हैं, मगर प्यास से मर रहा व्यक्ति एक बूंद कंठ में जाए, वही प्यास की कीमत को समझ सकता है। पूर्ववर्ती सरकार ने शुद्ध पेयजल की उपलब्धता हेतु सशक्त प्रयास नहीं किये। रेगिस्तान के वे इलाके अस समस्या से अधिक जूझ रहे हैं, जहां डार्क जोन है। मेरे संसदीय क्षेत्र में लोग दोहरी मार झेल रहे हैं, एक तो वहां मानसून कम होता है, वर्षा का जल वहां उपलबध नहीं है। दूसरा, डार्क जोन होने के कारण किसान कुएं गहरे नहीं करा पाता है, किसान नये कुएं नहीं खोद पाता है और अगर मोटर और पाइप कुएं में फंस जाए तो वह उन्हें बाहर नहीं निकाल पाता है।

महोदय, जो लोग खेत में घर बनाकर रह रहे हैं, उनके पशुओं की बात छोड़िए, मनुष्यों तक को पीने के पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। मेरे झुंझुनू जिले में न कोई नहर है, न कोई पीने के पानी की वैकल्पिक व्यवस्था है, वहां के लोग सिर्फ और सिर्फ भूमिगत जल पर आश्रित हैं। आप जानते हैं कि भूमि के जल में फ्लोराइड, नाइट्रेट, सोडियम जैसे पदार्थ पाये जाते हैं। यह सर्वविदित है। ऐसा पानी पीकर विभिन्न प्रकार की बीमारियां जैसे दांतों के रोग, चर्म रोग व अस्थि रोग बढ़ते जा रहे हैं।

सभापति जी, मैं कहना चाहूँगी कि पिछली सरकार ने और मेरे से पूर्व हमारे यहाँ के जो सांसद मंत्री भी रहे, उन्होंने बार-बार कहा कि हमारे यहाँ नहर आने वाली है। केन्द्रीय जल संसाधन बोर्ड की रिपोर्ट मेरे पास है। अनेक बार इसमें प्रयास हुए लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ। वहाँ कुम्भा लिफ्ट परियोजना लाने की बात भी कही गई लेकिन आज पानी की एक बूँद भी नहीं है। केन्द्र सरकार पूर्व में ए.आई.डी.पी. के तहत ...(व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON : Madam, please say you want.

श्रीमती संतोष अहलावत : सभापति जी, मेरे ज़िले में पीने के पानी की एक बूँद भी नहीं है, हम डार्क ज़ोन की मार को झेल रहे हैं। मैं वहाँ वैकल्पिक पानी की व्यवस्था चाहती हूँ जो सिर्फ नहर के अलावा कुछ और हो नहीं सकती। मैं आपके माध्यम से सरकार को कहना चाहती हूँ कि झुंझुनू जिले के लोग पलायन न करें, वहाँ के पशु और मनुष्य न मरें, इसके लिए वहाँ वैकल्पिक पेयजल की व्यवस्था की जानी चाहिए।